Regarding status of Sovereign Gold Bond Scheme- Laid

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले (भन्डारा-गोंदिया) : मेरा का ध्यान साल 2005 में शुरु की गई सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड योजना की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । इस योजना का मुख्य उद्देश्य खुदरा निवेशकों को भौतिक सोने से कागजी सोने की ओर आकर्षित करना था, जिससे देश में सोने के आयात को कम किया जा सके और लोगों को एक सुरक्षित निवेश विकल्प प्रदान किया जा सके । इस योजना के अंतर्गत बॉन्ड की परिपक्वता अवधि आठ साल थी, जिसमें पाँच साल के बाद आंशिक मोचन की सुविधा दी गई थी । शुरुआत में ब्याज दर 2.7% थी, जिसे बाद में घटाकर 2.5% कर दिया गया ।

हालांकि, हाल के दिनों में ऐसी खबरे सुनने में आ रही हैं कि सरकार इस योजना को बंद करने की संभावना पर विचार कर रही है । यह कदम न केवल निवेशकों के विश्वास को ठेस पहुँचा सकता है. बल्कि सोने के आयात में वृद्धि का कारण भी बन सकता है । अतः मैं सरकार से यह स्पष्ट करने का अनुरोध करता हूँ कि क्या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने का कोई प्रस्ताव है, और यदि हाँ, तो इसके पीछे के कारण क्या है? साथ ही, निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए सरकार दवारा क्या वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं?